जयपुर डिस्कॉम उपभोक्ताओं से "स्टार रेटिंग" फीडबैक लेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीनों डिस्कॉम ने दिवाली से पहले 37 हजार विद्युत कनेक्शन दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ "बिजली मित्र" एप्लीकेशन में उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अनुभव को "स्टार रेटिंग" देगा। हर माह के अंत में सब डिविज़न लेवल पर समीक्षा होगी। इसके अनुसार अधीक्षण अभियंता और सहायक अभियंता कार्यालय की रैंकिंग तय होगी।

जयपुर, 25 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार, प्रदेश में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री के निर्देश पर डिस्कॉम्स ने निरंतर विद्युत सेवाओं में सुधार करते हुए इन्हें उपभोक्ता अनुकूल एवं जवाबदेह बनाने के नवाचार किए हैं।

प्रदेश के तीनों डिस्कॉम्स ने दीपावली से पूर्व विशेष अभियान चलाकर प्रदेशभर में 37 हजार 251 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए हैं। जयपुर डिस्कॉम ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए "स्टार रेटिंग" का फीडबैक सिस्टम संबंधी नवाचार भी प्रारंभ किया है।

तीनों डिस्कॉम्स ने 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नए प्रकरणों में दस्तावेज की जांच, साइट वेरीफिकेशन, डिमांड नोट जारी करने सहित, अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर कनेक्शन प्रदान किए गए।

जयपुर डिस्कॉम ने विद्युत कनेक्शन जारी करने में आने वाली समस्याओं के संबंध में जानकारी लेने एवं निचले स्तर तक मॉनीटरिंग को आसान बनाने के लिए स्वतंत्र फीडबैक सिस्टम का नवाचार किया है। इस मैकेनिज्म में नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन "बिजली मित्र" डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा।

एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही "के" नम्बर डालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इनकी वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी तथा डिस्कॉम द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके अनुसार अधीक्षण अभियंता और सहायक अभियंता कार्यालय की रैंकिंग तय होगी।

इसी तरह, जयपुर डिस्कॉम ने बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ताओं से हैल्पलाइन सेवा 181 के माध्यम से भी फीडबैक लिया था। इस प्रक्रिया में 1 अप्रैल से 15 अगस्त के दौरान विद्युत कनेक्शन लेने वाले 75 हजार 746 उपभोक्ताओं को मोबाइल पर कॉल किए गए। इसके जरिए उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन जारी होने संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

उदयपुर के पास एनिकट में डूबने से चार बच्चों की मौत

एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में तीन भाई-बहन व एक बच्ची डूब गए

■ चारों बच्चे चरने गई बकरियों को वापस लाने गए थे और एनिकट में नहाने लगे। एक बच्चा पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। उसको बचाने के प्रयास में बाकी तीन भी डूब गए।

उदयपुर, 25 अक्टूबर। शहर के समीप डबोक थाना क्षेत्र में एनिकट में नहाने के लिए गये चार बच्चों की गहराई में जाने से डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन हैं। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में यह हादसा हुआ और चारों की मौत हो गई।

थानाधिकारी हुकुम सिंह ने बताया कि मनोहर (6) पुत्र राजू कालबेलिया, कोमल (8) पुत्री राजू कालबेलिया, पायल (10) पुत्री राजू कालबेलिया और सुमन (16) पुत्री केशू कालबेलिया निवासी लक्ष्मणपुरा काकरनाडा भमरासिया घाटी- चारों की डूबने से मौत हो गई।

इन बच्चों के परिवार की बकरियां चरने गई थी। परिजनों ने बच्चों से बकरियों को तलाश कर वापस घर लाने को कहा था। चारों बच्चे एक साथ गए थे और एनीकट में नहाने लगे। एक बच्चे का पैर फिसला और वह गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी तीन बच्चों ने प्रयास किए और एक को बचाने के प्रयास में एक-एक कर वे तीनों भी पानी में डूब गए। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर एक व्यक्ति वहां पहुंचा तो उसने इस बारे में गांव में जाकर बताया।

मौके पर ग्रामीण पहुँचे और पुलिस को सूचना देने के साथ ही बच्चों की तलाश शुरू कर दी। मौके पर पुलिस भी पहुँची और पुलिस ने सिविल डिफेंस की टीम को सूचित किया। सूचना पर राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय व्यक्तियों ने सभी शवों को बाहर निकाल कर डबोक पुलिस को दे दिया था। मौके पर पांच जोड़ी कपडे होने पर एक बच्चे के और होने की आशंका पर ढूंढने के लिए नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर की टीम ने सर्च ऑपरेशन जारी किया । परंतु कोई नहीं मिला। टीम में गोताखोर विजय नकवाल, विपुल चौधरी, दिनेश गमेती, सचिन कंडारा, प्रकाश राठौड़, जगदीश कुमावत एवं वाहन चालक कैलाश मेनारिया मौजूद रहे।

सूचना मिलने पर, मौके पर वल्लभनगर तहसीलदार सुरेन्द्र छीपा पहुंचे। तहसीलदार ने मृतक आश्रितों को सरकारी आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। बाद में बच्चों का पोस्टमार्टम करवाकर, शव परिजनों के सुपुर्द कर दिये।

एलआईसी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की कोई भूमिका नहीं होती। एलआईसी ने उच्चतम मानकों का पालन करते हुए उचित परिश्रम सुनिश्चित किया है और सभी निवेश निर्णय को मौजूदा नीतियों, अधिनियमों के प्रावधानों और नियामक दिशानिर्देशों के तहत लिये गये हैं, जो इसके सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में हैं।"

एलआईसी ने कहा कि लेख के ये कथित बयान "एलआईसी की संस्थापित निर्णय प्रक्रिया को नुकसान पहुँचाने, और एलआईसी की प्रतिष्ठा और भारत के वित्तीय क्षेत्र के मजबूत आधारों की प्रतिष्ठा एवं छवि को धूमिल करने के इरादे से दिये गये प्रतीत होते हैं।

एलआईसी, जो देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी है, ने वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 3.91 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ अपनी समेकित शुद्ध लाभ रिपोर्ट की।

एलआईसी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि के 10,544 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,957 करोड़ रुपये हो गया।

विख्यात अभिनेता सतीश शाह नहीं रहे

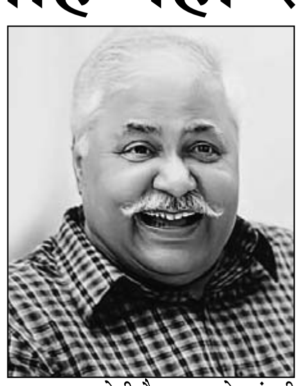

■ वे 74 वर्ष के थे। ये जो है जिदंगी और साराभाई वर्सेस साराभाई जैसे धारावाहिकों से मशहूर हुए शाह ने जाने भी दो यारो तथा कई फिल्मों में महत्वपूर्ण किरदार अदा किए थे।

मुंबई, 25 अक्टूबर। प्रसिद्ध हास्य कलाकार सतीश शाह का शनिवार को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। "ये जो है जिंदगी" और "साराभाई वर्सेस साराभाई" जैसे धारावाहिकों में दमदार अभिनय से मशहूर हुए सतीश शाह किडनी संबंधी समस्याओं से ग्रसित थे और हाल ही में उनका किडनी ट्रांसप्लांट भी हुआ था।

उनके मैनेजर रमेश ने उनके निधन की जानकारी देते हुए बताया कि शाह का पार्थिव शरीर अस्पताल में ही है और उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। उन्होंने कहा, "आज अपराह्न लगभग दो से 2.30 बजे के बीच शाह का निधन हो गया। परिवार अभी अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है।"

शाह ने "मैं हूं ना", "दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे" और "ओम शांति ओम" जैसी कई अन्य फिल्म में दमदार भूमिका निभाकर दर्शकों के बीच अपनी अलग छाप छोड़ी है। गुजरात के मांडवी में 25 जून 1951 में जन्मे सतीश रविलाल शाह ने जेवियर्स कॉलेज से स्नातक की उपाधि हासिल करने के बाद भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान में शिक्षा ली। शाह ने 250 से अधिक फिल्मों और कई टेलीविजन सीरियल में काम किया है। चार दशकों से भी ज्यादा लंबे करियर में शाह फिल्मों और टेलीविजन, दोनों में अपनी यादगार भूमिकाओं के जरिए घर-घर में मशहूर हुए। साल 1983 में आई व्यंग्य फिल्म "जाने भी दो यारो" में भूमिका निभाकर उन्हें खास पहचान मिली। शाह ने अपने करियर के दौरान "हम साथ-साथ हैं", "कल हो ना हो", "कभी हां कभी ना", जैसी हिट फिल्मों में भी भूमिका निभायी है।

नियुक्ति के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचर के करीब छह हजार पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसकी लिखित परीक्षा के बाद बोर्ड ने याचिकाकर्ता सहित अन्य अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया। गत 29 सितंबर को याचिकाकर्ता को अजमेर जिले में नियुक्ति दी गई।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 13 अक्टूबर को उसकी नियुक्ति को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि उसने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण की जानकारी नहीं दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से राज्य सरकार की ओर से की गई इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा गया कि उसके खिलाफ साल 2022 में साधारण मारपीट को लेकर मामला दर्ज हुआ था। वहीं, पुलिस ने जांच के बाद प्रकरण को झूठा पाकर मामले में एफआर पेश कर दी। दूसरी ओर विभाग ने उसकी नियुक्ति को रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया।

ऐसे में उसकी नियुक्ति को रद्द करने के आदेश को निरस्त किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को हटाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे

■ भारत के 53 वें मुख्य न्यायाधीश के रुप में उनका कार्याकाल 9 फरवरी 2027 तक होगा।

नयी दिल्ली, 25 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय में वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की आगामी 23 नवंबर पर सेवानिवृत्ति को देखते हुए केंद्र सरकार ने अगले मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कानून और न्याय मंत्रालय ने न्यायमूर्ति गवई को पत्र लिखकर उनके उत्तराधिकारी के नाम की अनुशंसा करने का अनुरोध किया है। स्थापित परंपरा और नियुक्ति की कार्यविधि के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में अनुशंसित किया जाता है। वर्तमान में न्यायमूर्ति गवई के बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत हैं।

न्यायमूर्ति गवई द्वारा की गई अनुशंसा पर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत औपचारिक रूप से भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उनका कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक रहेगा।

दस फरवरी 1962 को जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1981 में हरियाणा के हिसार स्थित सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और 1984 में महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से एलएलबी की पढ़ ाई पूरी की। उन्होंने 1984 में हिसार जिला न्यायालय से अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और अगले वर्ष पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में कामकाज शुरू किया।

वर्ष 2000 में वे हरियाणा के महाधिवक्ता बने और 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया। उसी वर्ष वे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। बाद में वे 2018 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए और 2019 में उन्हें उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत किया गया।

भारत में विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कितना है और कहां कहां हैं।"

चीन के साथ इसका अंतर केवल क्षमता के अंतर को नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि में भी एक गहरे अंतर को उजागर करता है।

दशकों पहले जब दुनिया गल्फ तेल पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, तब चीन ने दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के मूल्य को पहचाना था। तब वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लगभग 95 प्रतिशत बाजार तकनीक पर चीन का कब्जा है। जो लगभग सभी स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, रक्षा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए कच्चे माल के रूप में काम करती है। 2023 में एक महत्वपूर्ण क्षण आया जब खनिजों और खनिज संसाधनों (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 को संशोधित किया गया, ताकि 29 महत्वपूर्ण और गहरे खनिजों की खोज में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति मिल सके। अन्वेषण लाइसेंस की शुरुआत एक दार्शनिक परिवर्तन को दर्शाती है, यह स्वीकार करते हुए कि केवल सरकारी एजेंसियां भारत की खनिज संपत्ति को नहीं खोल सकतीं। लगभग 20 कंपनियों ने इस नीति परिवर्तन का लाभ उठाया है, जिनमें से कुछ ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पटिल की अपनी कंपनी, वर्तमान में राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित दो दुर्लभ पृथ्वी अन्वेषण परियोजनाओं में शामिल है, और इसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं।

फिर भी, यह प्रगति भारत में खनिज अन्वेषण की कठोर वास्तविकता को उजागर करती है।

पटिल के अनुसार "आमतौर पर, अन्वेषण एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है," पहले, पिछली सरकार की नीतियों के कारण, खनिज की खोज से उत्पादन तक लगभग 14 से 15 साल का समय लगता था।"

कुरनूल बस हादसे का बड़ा कारण था, 234 स्मार्ट फोन्स का 46 लाख रु. का पार्सल

फॉरैन्सिक विशेषज्ञों ने बताया जब बस में आग लगी तो स्मार्ट फोन्स की बैटरियों में धमाके होने से आग भीषण हो गई और तेजी से बस जलकर खाक हो गई

■ प्रत्यक्ष दर्शियों ने भी कहा कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने भी धमाकों की आवाज सुनी थी।

हैदराबाद, 25 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने की घटना में एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि है जिस बस में आग लगी, उसमें 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल रखा था। जब बस में आग लगी तो इन स्मार्टफोन्स की बैटरियों में धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हो गई और लोगों को बचने का समय नहीं मिल पाया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हैदराबाद के एक व्यापारी ने 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल बस में रखवाया था। यह पार्सल बंगलूरू में ई-कॉमर्स कंपनी के पास जाना था, जहां से ये स्मार्टफोन्स ग्राहकों को डिलीवर होने थे। इन स्मार्टफोन्स की कीमत करीब 46 लाख रुपये थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने धमाके की आवाज सुनी। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह धमाका स्मार्टफोन्स की बैटरियों के फटने से हुआ होगा। इससे आग ने तेजी से बस को अपनी चपेट में ले लिया और लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। शुक्रवार को कुरनूल में हुए बस अग्निकांड में 20 लोगों की मौत हुई है।

आंध्र प्रदेश अग्नि सेवा विभाग के महानिदेशक पी वेंकटरमन ने ये भी बताया कि स्मार्टफोन्स की बैटरियों के साथ ही बस के एयर कंडीशनर की बैटरी में भी धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हुई। उन्होंने बताया कि आग इस कदर तेज थी कि बस के फ्लोर की एल्युमीनियम की शीट भी पिघल गई। उन्होंने बताया कि बस द्वारा बाइक को टक्कर मारने के बाद, जब बस ने बाइक को घसीटा तो उससे पेट्रोल बिखर गया और जैसे ही चिंगारी निकली बस ने तेजी से आग पकड़ ली। शुरुआत में बस के अगले हिस्से में आग लगी, जिसने तेजी से पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

वेंकटरमन ने ये भी बताया कि बस की बनावट में भी खामियां थीं। उन्होंने कहा कि बस को हल्का रखने और तेज गति देने के लिए बस के फ्लोर की शीट एल्युमीनियम की बनाई गई थी, जबकि यह लोहे की होनी चाहिए थी। एल्युमीनियम की चादर को आग से हुए नुकसान के चलते बचाव अभियान में परेशानी हुई और हादसे की भयावहता बढ़ी।

28 और 29 अक्टूबर को बंद रहेगा पाकिस्तान का एयरस्पेस

पाकिस्तान सरकार ने भारत के सैन्य अभ्यास त्रिशूल के कारण यह कदम उठाया है

■ त्रिशूल सैन्य अभ्यास राजस्थान व गुजरात के सीमावर्ती जिलों में होगा।

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। पाकिस्तान ने भारत के आगामी सैन्य अभ्यास त्रिशूल के पहले, मध्य और दक्षिणी एयरस्पेस बंद रखने का फैसला लिया है। दोनों एयरस्पेस राजस्थान और गुजरात से सटे जिलों में आते हैं, जिन्हें 28 और 29 अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला लिया गया है। इस प्रक्रिया के लिए शनिवार को नोटम जारी किया। नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के मुताबिक, इन इलाकों में 28 और 29 अक्टूबर के दिन हवाई मार्ग उपलब्ध नहीं रहेगा और उड़ानों पर रोक रहेगी।

राजस्थान में भारत-पाक सीमा में आगामी 12 दिन अब तक का सबसे बड़ा सैन्य युद्धाभ्यास होगा। इसमें आर्मी, एयरफोर्स सहित, नेवी के 30 हजार से ज्यादा जवान थार में जॉइंट एक्सरसाइज करेंगे। इस युद्धाभ्यास की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी, जो 10 नवंबर तक चलेगी। इस बीच में बॉर्डर के कुछ एरिया में कॉमर्शियल फ्लाइट्स के रूट में बदलाव हो सकता है। एक्सरसाइज जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में पश्चिमी सीमा पर हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' के समय से ही पाकिस्तान सेना की तरफ से ड्रोन हमले और घुसपैठ की कोशिशें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में, इसको ध्यान में रखते हुए इस युद्धाभ्यास में काउंटर ड्रोन सिस्टम, बाधा (जैमिंग) और ऑटोमेटिक स्पेकट्रम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी कई मॉर्डन तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। भारत की तीनों सेना एक साथ तालमेल स्थापित कर यूनिफाइड ऑपरेशन, डीप स्ट्राइक, मल्टी डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगी। इस दौरान भारतीय सेना अपने कई नए स्वदेशी हथियारों और हाईटेक सिस्टमों की टेस्टिंग भी करेगी।

'मई 2025 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद गौतम अडानी और उनके सात सहयोगियों पर अमेरिका में आरोप लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि अडानी पर आरोप है कि उन्होंने भारत में महंगे सोलर पावर अनुबंधों को हासिल करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की व्यवस्था की, जबकि मोदी सरकार ने लगभग एक साल तक अमेरिकी एसईसी सम्मन को प्रधानमंत्री के इस सबसे पसंदीदा व्यापार समूह तक पहुंचने ही नहीं दिया।

आगरा में बेकाबू कार ने 8 को कुचला, 5 की मौत

जोमैटो डिलीवरी बाय से टक्कर के बाद कार चालक ने गाड़ी भगाई। शराब ठेके के पास खड़ी भीड़ में कार घुस गई और चार को रौंद दिया

आगरा, 25 अक्टूबर। आगरा में बेकाबू कार ने डिलीवरी बॉय समेत 8 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। हादसे वाली जगह के नजदीक पुलिस चेकिंग कर रही थी। यह देखकर कार चला रहा अंशुल गुप्ता घबरा गया। वहां से भागने के लिए उसने स्पीड बढ़ ाकर 100 से ज्यादा कर ली।

कार चालक ने पहले डिलीवरी बॉय को टक्कर मारी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल फिर भी नहीं रुका। उसने 400 मीटर के दायरे में दो जगहों पर 8 और लोगों को रौंद दिया। इसमें से 5 की जान चली गई। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

हादसे के बाद लोगों ने कार चालक अंशुल को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। बवाल की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने जैसे-तैसे भीड़ से अंशुल को बचाया और थाने लेकर आई। हादसा न्यू आगरा थाने से कुछ ही दूरी पर नगला पुरी में हुआ। पुलिस ने बताया कि अंशुल गुप्ता दयालबाग का रहने वाला है। वह नोएडा में एरिक्सन कंपनी में इंजीनियर है। शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है।

पहले कार ने जोमैटो डिलीवरी बॉय की बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि डिलीवरी बॉय भानुप्रताप उछलकर दूर गिरा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल ने उसे बचाने की बजाय, भीड़ से बचने के लिए कार को वहां से भगा दिया। लोग चिल्लाए तो उसने कार की स्पीड बढ़ ा दी। कार बमुश्किल 200 मीटर चल पाई थी कि शराब ठके के पास लगी भीड़ के बावजूद, अंशुल ने कार की स्पीड धीमी नहीं की। कार ने यहां 4 लोगों को रौंद दिया। इनके नाम बबली, उसका बेटा गोलू, कमल और उसके दोस्त कृष हैं। हादसे में बबली, कमल और कृष की मौत हो गई।

भगोड़े लखविंदर कुमार को सीबीआई भारत लाई

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भगोड़े अपराधी और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के गुर्गे लखविंदर कुमार को सीबीआई अमेरिका से भारत लेकर आई है। अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर कुमार के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था।

दस से पन्द्रह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे पहले शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग अगले सप्ताह के मध्य में एस.आई.आर. के पहले चरण की घोषणा कर सकता है, जिसमें "10 से 15" राज्य शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन का काम नहीं करेगा, जहाँ स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं या होने वाले हैं, क्योंकि जमीनी स्तर पर चुनाव मशीनरी इसमें व्यस्त है और एस.आई.आर. पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रही है। ऐसे राज्यों में एस.आई.आर. बाद के चरणों में आयोजित किया जाएगा।

अमृतसर से कुख्यात आतंकी मनप्रीत सिंह गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि यह एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन के निर्देश पर काम कर रहा था

■ पुलिस को इसके पास ढाई किलो के दो आईईडी, जिनमें आरडीएक्स व टाइमर लगा था, बरामद हुए हैं।

अमृतसर, 25 अक्टूबर। पंजाब में अमृतसर के राज्य विशेष अभियान सेल (एसएसओसी) ने शनिवार को एक आतंकवादी नेटवर्क के एक संचालक को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से लगभग 2.5 किलोग्राम वजन के दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) भी बरामद किये गये, जिनमें उच्च श्रेणी का आरडीएक्स, और विस्फोट के लिए टाइमर लगे थे। उसके पास से गोला बारूद के साथ एक अत्याधुनिक .30 बोर पिस्तौल बरामद की है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमृतसर के कोटला तरखाना गांव निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी के रूप में हुई है। गुरदासपुर और अमृतसर की जेलों में लगभग डेढ़ साल बिताने के बाद, वह फरवरी 2025 में रिहा हुआ और उसके बाद उसने अपनी आपराधिक गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी आर्मेनिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी में बैठे अपने आकाओं के निर्देशों पर काम कर रहा था, जिन्हें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के पाकिस्तान स्थित सरगना से निर्देश मिल रहे थे।

अमृतसर के सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, एसएसओसी अमृतसर की टीम ने संदिग्ध मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 30 बोर की एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया। उन्होंने बताया कि उसके खुलासे के बाद, कोटला तरखाना गाँव के इलाके से दो आईईडी भी बरामद किये गये, जो उच्च-गुणवत्ता वाले आरडीएक्स से भरे धातु के कंटेनरों में भरे हुए थे और विस्फोट के लिए टाइमर से लैस थे। एआईजी ने बताया कि जांच से यह भी पता चला है कि लगभग दो हफ़्ते पहले, पाकिस्तान स्थित हैंडलर ने अजनाला सेक्टर में ज़ब्त की गयी खेप को ड्रोन से गिराने में मदद की थी, जिसे गिरफ़्तार व्यक्ति ने बरामद किया और अपने गांव कोटला तरखाना के पास एक नहर के पास छिपा दिया। उन्होंने बताया कि उसके हैंडलर ने उसे तैयार रहने और अगले आदेश का इंतज़ार करने का निर्देश दिया था, और वह आईईडी को किसी और को सौंप सके, ताकि उसका इस्तेमाल किया जा सके।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908